HIN-201

नवीनतम् पाठ्यक्रम

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उनका इतिहास

पूर्णांक: 70

एम.ए. हिन्दी द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्न पत्र – **प्रथम**

इकाई – 1 **व्याख्यांश**

सूरदास–भ्रमरगीत सार–संपादक रामचंद्र शुक्ल, पद क्रमांक 51 से 100
तुलसीदास–रामचरितमानस–अयोध्या कांड, दोहा, क्रमांक 51 से 100
बिहारी–बिहारी रत्नाकार–संपादक जगन्नाथ रत्नाकार, दोहा क्रमांक 1 से 50 ।

इकाई – 2 सूरदास, तुलसीदास एवं बिहारी से सम्बन्धित निबन्धातमक प्रश्न

इकाई – 3 भक्तिकाल (सगुण भक्तिधारा) एवं रीतिकाल का इतिहास, प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से सम्बन्धित निबन्धात्मक प्रश्न

इकाई – 4 द्रुतपाठ के कवि–नन्ददास, मीराबाई, घनानंद और केशव से सम्बन्धित

लघुउत्तरीय प्रश्न

इकाई – 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से

कोड- 202
नवीनतम् पाठ्यक्रम
आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

पूर्णांक -70

एम.ए. हिन्दी द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्न पत्र – द्वितीय

इकाई – I व्याख्यांश

1. बाणभट्ट की आत्मकथा–हजारी प्रसाद द्विवेदी

2. निबन्ध–

(i) देश सेवा का महत्व–बालकृष्ण भट्ट

(ii) म्युनिसीपलेटी के कारनामें–महावीर प्रसाद द्विवेदी

(iii) काव्य में लोकमंगल की साधनावसा–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(iv) अशोक के फूल–हजारीप्रसाद द्विवेदी

(v) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है–विद्यानिवास मिश्र

(vi) प्रिया नीलकंठी–कुबेरनाथ राय

(vii) पगडण्डियों का जमाना–हरिशंकर परसाई

3- निर्धारित कहानियाँ

(i) उसने कहा था (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी)

(ii) पूस की रात (प्रेमचंद)

(iii) गुण्डा (जयशंकर प्रसाद)

(iv) अपना अपना भाग्य (जैनेन्द्र कुमार)

(v) लंदन की एक रात (निर्मल वर्मा)

(vi) राजा निरबंसिया (कमलेश्वर)

(vii) सिक्का बदल गया (कृष्णा सोबती)

4- पथ के साथी –महोदवी वर्मा

इकाई –**II** बाणभट्ट की आत्मकथा, निर्धारित निबन्ध, कहानी एवं पथ के साथी से समीक्षात्मक प्रश्न

ईकाई –**III** हिन्दी, कहानी, निबन्ध एवं अन्य गद्य विधाओं (रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्तान्त, व्यंग्य आदि) के इतिहास प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाकारों से सम्बद्ध निबन्धात्मक प्रश्न।

इकाई –**IV** लघुउत्तरीय प्रश्न–
द्रपपाठ हेतु निर्धारित निम्न गद्यकारों पर केन्द्रित दो लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे–
निबंधकार – भारतेन्दु हरिशचन्द्र, प्रताप नारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्ण सिंह।
कहानीकार –अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, अमरकांत
स्फुट ग्रंथ –1. अमृतराय (कलम का सिपाही); 2. शिवप्रसादसिंह उत्तर योगी; 3. हरिवंशराय बच्चन (क्या भूलूँ क्या याद करूँ); 4. राहुल सांकृत्यायन (घुमक्कड़ शास्त्र); 5. माखनलाल चतुर्वेदी, साहित्य देवता)

इकाई –**V** वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से)

HIN-203

नवीनतम् पाठ्यक्रम
भारतीय एवं पश्चात्य काव्य शास्त्र
एम.ए. हिन्दी द्वितीय सेमेस्टर

पूर्णांक70 :

प्रश्न पत्र – तृतीय

इकाई – I प्लेटो : काव्य सिद्धांत
अरस्तु : अनुकरण – सिद्धान्त, त्रासदी– विवेचन,

विरेचन सिद्धान्त

लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई – II ड्राइडन के काव्य सिद्धान्त
वडर्सवर्थ : काव्य – भाषा का सिद्धान्त
कॉलरिज : कल्पना – सिद्धान्त और
ललित–कल्पना

इकाई – III मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य आई.ए. रिचर्डस : रागात्मक अर्थ। संवेगो का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

इकाई – IV सिद्धान्त और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

इकाई – V आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतवाद।

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न
2. लघुउत्तरीय प्रश्न
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

HIN-204
नवीनतम् पाठ्यक्रम
प्रयोजनमूलक हिन्दी
एम.ए. हिन्दी द्वितीय सेमेस्टर

पूर्णांक: 70

प्रश्न पत्र – चतुर्थ

ईकाई –I मीडिया लेखन

1. जनसंचार– प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ
2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप –मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट
3. श्रव्य माघ्यम –रेडियो
   मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञान लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज

ईकाई –II

1. दृश्य–श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन, वीडियो), दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य पार्श्व वाचन, (वायस ओवर) पटकथा लेखन, टेलीड्रमा, डॉक्यू ड्रामा, संवाद – लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य–माध्यमों का रूपान्तरण, विज्ञापन की भाषा
2. इंटरनेट सामग्री सृजन

ईकाई –III

1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।
2. हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. कार्यालीयन हिन्दी और अनुवाद।
4. जनसंचार माध्यमों का अनुवाद।
5. विज्ञान में अनुवाद।
6. वैचारिक साहित्य का अनुवाद।

ईकाई –IV

1. वाणिज्यिक अनुवाद।
2. वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद।
3. विधि–साहित्य ही हिन्दी और अनुवाद।
4. व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास।
5. कार्यालयीन अनुवाद–कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक, प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि
6. पत्रों के अनुवाद।
7. पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजो, प्रतिवेदनों के अनुवाद।

ईकाई –V

1. बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
2. विधि साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
3. साहित्यिक अनुवाद के सिद्धान्त एवं व्यवहार : कविता, कहानी, नाटक।
4. सारानुवाद
5. दुभाषिया प्रविधि